IJARSCT

ISSN (Online) 2581-9429

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

Impact Factor: 4.819

Volume 7, Issue 1, July 2020

e/;dkyhu Hkkjr e okfdx ,o foRr 0;oLFkk dh lkFkdrk %

¼ckcj l vkjxtc rd ,d fo'k'k lUnHk e½

Mk- jhrk flg

vflO ikQslj bfrgkl

ifMr jkeyf[ku "kDy jktdh; ih th dkyt] vkykiqj] vEcMdjuxj

ritasingh806@gmail.com

lkjk'k

भारत में वैकिंग एवं मुद्राव्यवस्था का इतिहास अत्यन्त प्राचीन है। मुगलों के भारत में आगमन के बहुत समय पूर्व से ही यह प्रणाली भारत में विद्यमान थी। मुगलों के शासन की व्यवस्था के साथ–साथ ही इस प्रणाली का तेजी से विकास हुआ, क्योंकि मुगलकाल में अनेक नगरों का भी विकास हुआ जिनमें आगरा, दिल्ली, लाहौर, अहमदाबाद आदि प्रमुख थे, नगरो के विकास का मुख्य कारण किसानों का नगरों के जीवन के प्रति आकर्षित होना तथा व्यापार व वाणिज्य की उन्नति होना था। मुगलकाल में तीन प्रकार के सिक्कों का चलन था।

1& lksu dh egj **2& pkanh dk :i;k** **3& rkos dk nke**

मुगलकालीन स्त्रोतों से ज्ञात होता है कि मुगलकाल में मुद्राओं का नियंन्त्रण विभिन्न टकसालों के माध्यम से किया जाता था। आइने अकबरी में ऐसी लगभग 42 टक सालों का उल्लेख मिलता है। इन टकसालों में छाये जाने वाले सिक्कों पर टकसाल का नाम तथा ढलाई का वर्ष अंकित है।